The Pioneer November 15, 2016

'Hire ex-bank staff massively to deal banking ops'

NEW DELHI: Government should hire retired bank employees on a massive scale for a speedy currency swap and cash withdrawal in the wake of junking of big denomination currency notes, industry body Assocham said. Impressing upon the Government to mobilise all resources across different departments, it said a massive hiring to ex-bank staff will expedite cash management with minimum inconvenience to public.

"Just like general elections when staff across different departments is mobilised; different types of staff can be used for helping the over-stretched banks, grappling with the huge task of dealing with the demonetized currency notes of ₹500 and ₹1,000 and dispensing the new notes," it said in an appeal to Prime Minister Narendra Modi. It has also advised employing the retired staff on a short-term contracts of three to six months. Country's largest lender SBI and some other banks have already roped in their previous employees to help them out to manage cash handling with the public.

"While preference can be given by banks to re-employ their own retired personnel, even cross - bank staff would be helpful. After all, functioning of the public sector banks is generally the same," Assocham Secretary General DS Rawat said. It has also suggested diverting staff from other financial services and PSUs in insurance business for taking up banking operations for the time being.

The options of outsourcing the house-keeping services to the private sector for the orderly conduct of business at the bank branches should be explored. Such services can include helping the senior citizens; guiding those not familiar with the banking, and the general security upkeep. The local traders' associations and market bodies like Azadpur Mandi, should also be involved in the exercise, Assocham said further. **PNS**

Millennium Post November 15, 2016

'Govt should hire ex-bank staff massively to deal with banking ops'

NEW DELHI: Government should hire retired bank employees on a massive scale for a speedy currency swap and cash withdrawal in the wake of junking of big denomination currency notes, industry body Assocham said.

Impressing upon the government to mobilise all resources across different departments, it said a massive hiring to ex-bank staff will expedite cash management with minimum inconvenience to public.

"Just like general elections when staff across different departments is mobilised; different types of staff can be used for helping the over-stretched banks, grappling with the huge task of dealing with the demonetized currency notes of Rs 500 and Rs 1,000 and dispensing the new notes," it said in an appeal to Prime Minister Narendra Modi.

It has also advised employing the retired staff on a short-term contracts of three to six months.

Country's largest lender SBI and some other banks have already roped in their previous employees to help them out to manage cash handling with the public. "While preference can be given by banks to re-employ their own retired personnel, even cross - bank staff would be helpful. After all, functioning of the public sector banks is generally the same," Assocham Secretary General D S Rawat said.

It has also suggested diverting staff from other financial services and PSUs in insurance business for taking up banking operations for the time being.

The options of outsourcing the house-keeping services to the private sector for the orderly conduct of business at the bank branches should be explored.

Such services can include helping the senior citizens; guiding those not familiar with the banking, and the general security upkeep. PTI

Rashtriya Sahara November 15, 2016

पूर्व बैंक कर्मचारियों की मदद से दूर करें संकट

▶ स्थिति सामान्य बनाने के लिए एसोचैम का सुझाव

■ नई दिल्ली।

प्रमुख उद्योग संगठन एसोचैम ने कहा कि बड़े नोटों को परिचालन से बाहर किए जाने के मद्देनजर सरकार को त्वरित 'करेंसी स्वैप' और नकदी लेनदेन के काम को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सेवानिवृत बैंक कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर काम पर रखना चाहिए।

विभिन्न विभागों में सभी संसाधनों को एकत्रित करने की बात रखते हुए एसोचैम ने कहा कि लोगों को कम से कम दिक्कत हो इसके लिये त्वरित नकदी प्रबंधन के वास्ते सरकार को बैंकों के पुराने कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर काम पर बुलाना चाहिए।

एसोचैम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की गई अपनी अपील में कहा कि आम चुनावों की ही तरह से, जहां विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को काम में लगाया जाता है, बैंकों के कामकाज में भी विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को काम पर लगाया जा सकता है। जो कि 500 रुपए और 1,000 रुपए के चलन से बाहर नोटों से उपजी स्थिति से निपटने और नए नोटों के वितरण में बैंक को मदद करेगा। ■ भाषा

Dainik Bhaskar

November 15, 2016

रिटायर्ड बैंक कर्मियों की मदद ली जाए : एसोचैम

उद्योग संगठन एसोचैम ने नोटबंदी के फैसले की सराहना की है। उसने बैंकों और एटीएम के बाहर लोगों की लंबी कतारों से निपटने के लिए रिटायर्ड बैंक कर्मियों और अन्य कर्मचारियों को भी बैंकिंग के कामकाज में लगाने की सलाह दी है। एसोचैम ने कहा है कि जिस तरह आम चुनावों में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को चुनाव कार्य में लगा दिया जाता है, उसी प्रकार सरकारी कर्मचारियों की मदद ली जा सकती है। रिटायर्ड बैंक कर्मियों को तीन या छह माह के लिए काम पर रखा जा सकता है। वहीं, बीमा आदि क्षेत्र की कंपनियों के कर्मचारियों की मदद ली जा सकती है।

Deshbandhu

November 15, 2016

सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों की ली जाए मदद

नई दिल्ली। पांच सौ और एक हजार रुपए के नोटों पर प्रतिबंध के बाद बैंकों और एटीएम के बाहर लोगों की लंबी कतारों से निपटने के लिए उद्योग संगठन एसोचैम ने बैंकों से सेवानिवृत्त तथा अन्य विभागों को कर्मचारियों को भी बैंकिंग के कामकाज में लगाने की सलाह दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक अपील में एसोचैम ने कालाधन के खिलाफ कार्रवाई के तहत पुराने नोट वापस लेने के निर्णय की प्रशंसा करते हुये कहा जैसे आम चुनावों में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को चुनाव कार्य में लगा दिया जाता है उसी प्रकार बैंकों के काम का बोझ बांटने के लिए भी विभिन्न प्रकार के कर्मचारियों की मदद ली जा सकती है। सबसे अच्छा विकल्प सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों की तीन या छह महीने के अल्पावधि अनुबंध पर बड़े पैमाने पर भर्ती करना है। उसने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक तथा कुछ अन्य बैंकों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को इस काम में लगाया है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों से निपटने के लिए यह प्रयास बड़े पैमाने पर होना चाहिये। अन्य बैंकों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की अस्थायी भर्ती भी मददगार हो सकती है। अंतत: सभी बैंकों का कामकाज लगभग एक समान होता है। एसोचैम ने कहा कि अन्य वित्तीय सेवा कंपनियों जैसे बीमा आदि के क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों की भी मदद ली जा सकती है। उसने वरिष्ठ नागरिकों तथा बैंकिंग से अनजान लोगों की मदद और आम सुरक्षा की जिम्मेदारी निजी एजेंसियों को आउटसोर्स करने की सलाह दी है।

Navodaya Times **November 15, 2016**

'रिटायर्ड बैंक इम्प्लाइज की ली जाए हैल्प'

नई दिल्ली, 14 नवम्बर (एजैंसी): बड़े नोटों पर बैन के बाद बैंकों और ए.टी.एम. के बाहर लोगों की लंबी कतारों से निपटने के लिए इंडस्ट्री एसोसिएशन एसोचैम ने बैंकों से रिटायर्ड तथा अन्य डिपार्टमैंटों के इम्प्लाइज को भी बैंकिंग के कामकाज में लगाने की सलाह दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक अपील में एसोचैम ने काले धन के खिलाफ कार्रवाई के तहत पुराने नोट वापस लेने के निर्णय पर कहा, "जैसे जनरल इलैक्शनों में विभिन्न डिपार्टमैंटों के इम्प्लाइज को इलैक्शन कार्य में लगा दिया जाता है उसी प्रकार बैंकों के काम का बोझ बांटने के लिए भी विभिन्न प्रकार के इम्प्लाइज की हैल्प ली जा सकती है। सबसे अच्छा ऑप्शन रिटायर्ड बैंक इम्प्लाइज को 3 या 6 माह के शॉर्ट टर्म पर बड़े स्केल पर भर्ती करना है।"

निजी सुरक्षा एजैंसियों को आऊटसोर्स करे सरकार

उसने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक तथा कुछ अन्य बैंकों ने रिटायर्ड इम्प्लाइज को इस काम में लगाया है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों से निपटने के लिए यह प्रयास बड़े पैमाने पर होना चाहिए। अन्य बैंकों के रिटायर्ड इम्प्लाइज की टैम्परेरी रिक्रूटमैंट भी हैल्पफुल हो सकती है। एसोचैम ने कहा कि अन्य फाइनैंशियल सर्विसिज कंपनियों जैसे इंश्योरैंस आदि के सैक्टर में काम करने वाले इम्प्लाइज की भी मदद ली जा सकती है। उसने सीनियर सिटीजन तथा बैंकिंग से अनजान लोगों की मदद और आम सुरक्षा की जिम्मेदारी निजी एजैंसियों को आऊटसोर्स करने की सलाह दी है।